Headline

1. Rajya Sabha: 'मैं अपने आपको यहां सक्षम नहीं पा रहा', नारेबाजी से नाराज सभापति जगदीप धनखड़ कुर्सी छोड़कर उठे
2. RBI MPC: रिजर्व बैंक ने लगातार नौवीं बार रेपो रेट को 6.5% पर स्थिर रखा, 18 महीनों से ब्याज दरों में बदलाव नहीं
3. West Bengal: पश्चिम बंगाल के पूर्व मुख्यमंत्री बुद्धदेव भट्टाचार्य का निधन, 80 साल की उम्र में ली आखिरी सांस
4. Bangladesh: बांग्लादेशी संविधान में अंतरिम सरकार की व्यवस्था नहीं, फिर भी आज शपथ; संवैधानिक संकट में अब क्या?
5. Exclusive: अब आधार कार्ड में जन्मतिथि और नाम बदलवाना आसान नहीं... ये प्रमाणपत्र हुए जरूरी; UIDAI ने बदले नियम
6. Vinesh Phogat: विनेश के संन्यास के बाद समर्थन में आए बजरंग पूनिया, बोले- आप हारी नहीं, आपको हराया गया है

सांध्य दैनिक

डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

*NewsPaper*NewsPortal*NewsChannel

सतर्क रहें-सजग रहें अभियान

www.dgr.co.in | www.detectivegroupreport.com

वर्ष : 10 अंक : 28 | इंदौर, गुरुवार 08 अगस्त, 2024 | पेज : 8, मूल्य : 2 रुपए

ओंकारेश्वर डैम के 18 गेट खोले

एमपी के 17 जिलों में तेज बारिश का अलर्ट
अब तक एवरेज से 3.7 इंच ज्यादा बारिश

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

भोपाल। मध्यप्रदेश में गुरुवार को 17 जिलों में तेज बारिश का अलर्ट है। मौसम विभाग ने श्योपुर, मुरैना, शिवपुरी, अशोकनगर, विदिशा, रायसेन, सागर, पांढुर्णा, छतरपुर, पन्ना, रीवा, मऊगंज, सीधी, कटनी, उमरिया, शहडोल और डिंडौरी में तेज बारिश होने का अनुमान जताया है।

वहीं, बरगी, तवा और इंदिरा सागर बांधों के गेट खुलने से निचले स्तर पर स्थित ओंकारेश्वर डैम में पानी बढ़ गया है। पानी छोड़ने के लिए बुधवार शाम 4 बजे ओंकारेश्वर बांध के 9 गेट खोले थे। गुरुवार सुबह 9.30 बजे से 18 गेट डेढ़ मीटर तक खोल दिए गए हैं। बांध में कुल गेटों की संख्या 23 है।

मौसम विभाग के सीनियर वैज्ञानिक डॉ. वेदप्रकाश सिंह ने बताया कि 9 से 12 अगस्त तक प्रदेश में बारिश की स्ट्रॉन्ग एक्टिविटी नहीं है। इस अवधि में अल्प बारिश का दौर बना रहेगा।

दमोह में 1 इंच पानी गिरा

इससे पहले बुधवार को प्रदेश में हल्की बारिश का दौर रहा। दमोह में 1 इंच पानी गिरा, जबकि जबलपुर में पौन इंच बारिश हो गई। खजुराहो, मंडला, सीधी में आधा इंच से ज्यादा बारिश हुई। धार, ग्वालियर, छिंदवाड़ा, नरसिंहपुर, नौगांव, रीवा, सिवनी, टीकमगढ़, उमरिया और मलाजखंड में भी बूंदाबांदी हुई। ऐसे में नदियों में उफान थम गया है। बांधों के गेट भी बंद किए जाने लगे हैं।

सीजन की 66% बारिश हुई, जबलपुर-भोपाल संभाग आगे

प्रदेश में सीजन की 66% यानी, 24.7 इंच बारिश हो गई है। जबलपुर संभाग में सबसे ज्यादा पानी गिरा है। मंडला में सबसे ज्यादा 37 इंच बारिश हो चुकी है, जबकि सिवनी में आंकड़ा 35 इंच पार हो चुका है। वहीं, रीवा संभाग के जिले पीछे चल रहे हैं।

अब तक 3.7 इंच बारिश ज्यादा

इस बार प्रदेश में मानसून की एंट्री 21 जून को हुई। अगले एक सप्ताह में पूरे प्रदेश में मानसून छा गया। डेढ़ महीने में प्रदेश में अच्छी बारिश हुई।

बगैर बात करे दर्ज हो रही बिजली संबंधी शिकायतें

आईवीआर और ऊर्जस एप के कारण तेजी से समाधान

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

इंदौर। **मप्र पश्चिम क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी के उपभोक्ता शिकायत निवारण में इंट्रेक्टिव वाइस रिस्पांस(आईवीआर) और कंपनी के मोबाइल एप ऊर्जस के कारण तेजी आई है। आईवीआर के तहत काल सेंटर कर्मचारी से बात करे बगैर भी सिर्फ बटन दबाकर शिकायत दर्ज हो जाती है। इससे उपभोक्ता व कार्मिकों का समय बचता है, कार्य तेजी से हो जाता है। इसी तरह ऊर्जस एप से भी आपूर्ति संबंधी व अन्य शिकायतें कम समय में दर्ज हो जाती हैं।**

विद्युत वितरण कंपनी ने मौसम बदलाव व बारिश के दौरान शिकायत निवारण व्यवस्थाएं और प्रक्रियाएं व्यवस्थाएं पहले से और बेहतर की है, ताकि मौसमी कारण से उपभोक्ता को कम से कम परेशानी उठानी पड़े। आपूर्ति में व्यवधान आए तो भी जल्द से जल्द समाधान किया जा सके। इसी दिशा में कंपनी के काल सेंटर 1912 पर आने वाले आपूर्ति से संबंधित अधिकांश कॉल आईवीआर से संचालित हो रहे है। कंपनी क्षेत्र के 15 जिलों से पिछले चौबीस घंटे के दौरान आईवीआर पर आपूर्ति संबंधी 2100 शिकायतों के कॉल आए। आईवीआर का उपयोग करने वालों में पहले स्थान पर इंदौर, दूसरे स्थान पर उज्जैन है। आईवीआर में उपभोक्ताओं को बटन दबाकर मात्र कनेक्शन क्रमांक आईवीआरएस दर्ज करना होता है। मात्र 20 से 25 सेकंड में शिकायतें दर्ज हो जाती है। आपूर्ति संबंधी शिकायत 1 नंबर बटन दबाकर, बिल संबंधी 2 नंबर, मीटर संबंधी 3 नंबर दबाकर दर्ज की जा सकती है। पिछले चौबीस घंटे में आईवीआर की तरह ही ऊर्जस एप पर 480 उपभोक्ताओं ने कंपनी से आपूर्ति संबंधी मदद मांगी। ऊर्जस का उपयोग करने वालों में इंदौर पहले स्थान पर 340, उज्जैन दूसरे 26 और तीसरे स्थान रतलाम- खंडवा 13,13 पर है। दोनों ही माध्यमों से उपभोक्ताओं की सतत मदद की जा रही है। मप्रपक्षेविविकं के प्रबंध निदेशक श्री अमित तोमर एवं मुख्य महाप्रबंधक श्री रिंकेश कुमार वैश्य प्रतिदिन कॉल सेंटर व शिकायत निवारण की समीक्षा कर रहे हैं, ताकि उपभोक्ताओं की हरसंभव मदद कम से कम समय में की जा सके।बगैर बात करे दर्ज हो रही बिजली संबंधी शिकायतें।

महारूद्राभिषेक के लिए वरिष्ठजन को पीले चावल देकर किया आमंत्रित

◆नार्मदीय ब्राह्मण समाज में अष्टदिवसीय आयोजन को लेकर उत्साह

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

इंदौर। मां नर्मदा सांस्कृतिक पारमार्थिक न्यास नार्मदीय ब्राह्मण समाज क्षेत्र क्रमांक 2 द्वारा इस वर्ष भी भगवान महादेव का महारुद्राभिषेक आचार्य पं. मधुसूदन उपाध्याय एवं पं. नवीन उपाध्याय के सान्निध्य व आशीर्वचनों से किया जा रहा है। अष्ट दिवसीय भव्य महारूद्राभिषेक के लिए बनाई गई समिति के सदस्यों द्वारा समाज के वरिष्ठजन के घर-घर जाकर उन्हें पीले चावल देकर आयोजन के लिए आमंत्रित किया गया। आठ दिनी महारूद्राभिषेक को लेकर समाजजन में उत्साह दिखाई दे रहा है और वे बढ़-चढक़र आयोजन में भाग ले रहे हैं। आयोजन को लेकर नार्मदीय समाज के वरिष्ठजन को आमंत्रित करने के लिए उनके घर जाकर पीले चावल दिए जा रहे हैं। साथ ही आठ दिवसीय इस आयोजन की पूरी जानकारी भी दी जा रही है। इस अवसर पर पं. सुनील शर्मा (सकरगाए) आचार्य नवीन उपाध्याय, पं. अखिल गुहा, पं. संजय टेमले, पं. अभय टेमले, पं. राजेश चांद्रायण, पं. सचिन जोशी, पं. सतीश नेगी, पं.पंकज खले, पं. अरविंद साकल्ले आदि मौजूद थे।

महिलाओ को आगे बढ़ने के अधिक अवसर मिले : जूही भार्गव

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

इंदौर। महिलाएं अगर ठान ले तो वे कुछ भी कर सकती है। उन्हें आगे बढ़ने के अवसर लगातार मिलते रहना चाहिए। यह बात श्रीमती जूही पुष्यमित्र भार्गव ने कहीं। वे कलाश्री संस्था द्वारा एक निजी होटल मे आयोजित कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में बोल रही थी। विशेष अतिथि आर जे विनी,महेंद्र सिंह सोंगरिया और दीप्ति शर्मा थी। सावन में महिलाओ के सशक्तिकरण के लिए आयोजित कार्यक्रम में 100 महिलाओ ने भागीदारी की। संस्था अध्यक्ष श्रीमती प्रीति अय्यर ने बताया कि कार्यक्रम में सभी महिलाएं 16 श्रृंगार कर पहुँची। इस अवसर पर महिलाओ ने रंगारंग प्रस्तुतियां देकर माहौल को और आंनदमय कर दिया। ढेर सारे फन गेम भी खेले गए। बेहतर प्रदर्शन करने वाली महिलाओ को पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। अब पलाक्षी पत्रिका में महिलाओ को स्थान मिलेगा।कार्यक्रम का संचालन डॉ. पल्लवी सेठ ने किया।

आठ दिनी महारूद्राभिषेक में किया पितृ पूजन

विद्वान आचार्यों ने यजमानों के पितरों की प्रसन्नता के लिए कराए पाठ

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

इंदौर। शहर में हो रहे अष्ट दिवसीय महारूद्राभिषेक को लेकर जहां तैयारियां अंतिम चरण में हैं, वहीं इस अद्भूत एवं अनूठे आयोजन में 151 जोड़ों से बढक़र यजमानों की संख्या भी करीब पौने दो सौ हो गई है। आठ दिवसीय आयोजन में तीसरे दिन यजमानों के पितरों की प्रसन्नता के लिए पितृ पूजन कराया। इस दौरान विद्वान आचार्य आचार्य पं. मधुसूदन उपाध्याय एवं पं. नवीन उपाध्याय के द्वारा विभिन्न पाठ और विधि-विधान से पूजन कराया गया। जानकारी देते हुए पं. सुनील शर्मा (सकरगाए) ने बताया कि महारूद्राभिषेक में प्रत्येक दिवस यजमानों के लिए अलग-अलग पूजन किए जा रहे हैं। इसी कड़ी में तीसरे दिन यजमानों के पितरों की प्रसन्नता और उनका आशीर्वाद प्राप्त करने के लिए पितृ पूजन कराया गया। रुद्राभिषेक से जुड़े समस्त यजमानों के पितरों को याद करते हुए उनकी प्रसन्नता के लिए गूगल मिट के माध्यम से पितृ सूक्त,गीता,पुरुषसुक्त, भागवत महापुराण आदि का पाठ किया गया।

हुनर स्वरोजगार स्थापित करता है

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

इंदौर। जब तक मानसिक, शारीरिक विकास नहीं होगा ,तब तक हम कोई भी काम अच्छे से और दक्षता पूर्ण कर पाएंगे। जीवन मे आगे बढने के लिए दृढ़ इच्छा शक्ति की आवश्यकता होती है। यह बात गत दिवस जागृति ज्योति ट्रस्ट द्वारा निपानिया स्थित राम मंदिर परिसर मे आयोजित पांचवे महिलाओ के लिए सिलाई प्रशिक्षण शिविर मे बतौर मुख्य अतिथि महामंडलेश्वर श्री 108 रुक्मणि देवी ने कही । उन्होनें प्रशिक्षण पाने वाली महिलाओ को कहा कि हुनर स्वरोजगार देने के साथ ही आत्मनिर्भर करता है। इस अवसर केन्द्रीय संचार ब्यूरो इन्दौर ने स्तनपान एवं सुपोषण पर केंद्रित चित्र प्रर्दशनी लगाई। इस अवसर दीपिका पाटक जी,ममता मताई,सुनीता खन्ना, श्रेया मसली,कोमल कनोडे,तनु,सलोनी,श्रुति,नंदिनी और जागृति ज्योति ट्रस्ट का परिवार उपस्तित था। कार्यक्रम की शुरूआत अतिथियो ने दीप प्रज्वलित कर की। शिविर मे तकरीबन 75 निमोनिया क्षेत्र की महिलाओ ने भागी दारी की।

दुनिया में ऐसा कोई नहीं जिसके पास सुख ही सुख हो, दु:ख कुछ भी न हो : स्वामी परमानंद

अखंड परम धाम सेवा समिति के तत्वावधान में अरोड़वंशीय भवन पर युगपुरुष के सानिध्य में सत्संग सत्र

इंदौर। भारत की संस्कृति पूरी दुनिया में सबसे महान मानी गई है, लेकिन अज्ञानता के कारण हमारे युवकों में अनेक विकृतियां भी देखने को मिल रही हैं। हमें उन्हें मनोवैज्ञानिक ढंग से समझाने की जरुरत है। किशोर अवस्था, 13 से 17 वर्ष की आयु ऐसी अवस्था होती है, जब बच्चे सबसे ज्यादा गुमराह हो सकते हैं। उन्हें डांटने-फटकारने के बजाय अन्य कामों में व्यस्त बनाए रखने का तरीका ही ज्यादा कारगर होगा। दुनिया में ऐसा कोई नहीं, जिसके पास सब सुख ही सुख हो, दुख कुछ भी न हो। यहां तक कि सपने में भी दुख पीछा नहीं छोड़ता। संसार का सत्य क्या है, मैं कौन हूं, कहां से आया और कहां जाऊंगा – इन सारे सवालों को जानना ही हमारे मनुष्य जीवन की सार्थकता होगी।

ये दिव्य विचार हैं युगपुरुष स्वामी परमानंद गिरि महाराज के, जो उन्होंने अखंड परमधाम सेवा समिति के तत्वावधान में साउथ तुकोगंज स्थित पंजाब अरोड़वंशीय भवन पर चल रहे 28वें ध्यान-योग एवं साधना शिविर में उपस्थित साधकों को संबोधित करते हुए व्यक्त किए। प्रारंभ में आयोजन समिति की ओर से अध्यक्ष किशनलाल पाहवा, श्यामलाल मक्कड़, रामदास गोयल, विनोद अग्रवाल, विजय शादीजा, अरुण गोयल, उदय जायसवाल, शांतिलाल उपाध्याय, मयंक अग्रवाल, यशवंत पंजपानी, देवेन्द्र अरोरा, हेमंत जुनेजा, विष्णु कटारिया, मुकेश राजानी आदि ने युगपुरुष का स्वागत किया। सत्संग में महामंडलेश्वर स्वामी दिव्य चेतना, स्वामी ज्योतिर्मयानंद, साध्वी चैतन्य सिंधु, योगाचार्य शिवप्रकाश गुप्ता, गोविंद सोनेजा, अभिजीत (पुणे), सुरेश कुकरेजा (कोटा) भी उपस्थित थे। संचालन राजेश रामबाबू अग्रवाल ने किया और गुरूवंदना साध्वी दिव्य चेतना ने सुनाई। महामंडलेश्वर ज्योतिर्मयानंद गिरि ने भी प्रवचन दिए। युगपुरुष स्वामी परमानंद महाराज ने कहा कि बच्चों को किसी न किसी अच्छे काम में व्यस्त रखना चाहिए। खाली दिमाग शैतान का होता है। हम उन्हें जितना मना करेगें, वे उस काम को करने की उतनी अधिक जिद करेंगे। उनकी इस प्रवृत्ति को हमें समझना पड़ेगा। कई बच्चे ऐसे भी होंगे, जिन्होंने अपनी दिनचर्या कुछ इस तरह की बना ली है कि सूर्योदय देखे कई दिन हो जाते हैं। उन्हें सुबह के वक्त कोई काम नहीं होता। हमारे समय में सुबह स्नान, ध्यान के बाद प्रभाति और अन्य कई तरह के नियमित अभ्यास कराए जाते थे, अब वह स्थिति नहीं रही। जब हम स्वप्न में होते हैं, तब सब कुछ दिखाई देता है। केवल एक ही स्थिति ऐसी होती है, जब हम संसार के सारे दुख भूल सकते हैं और वह स्थिति है गहरी नींद की।

आश्रम प्रबंध समिति के अध्यक्ष किशनलाल पाहवा एवं समन्वयक विजय शादीजा ने बताया कि पंजाब अरोड़वंशीय भवन पर 10 अगस्त तक प्रतिदिन सुबह 7 से 8 बजे तक योगासन, 8 से 9 बजे एवं संध्या को 6 से 8 बजे तक ध्यान एवं प्रवचन का आयोजन होगा। रविवार 11 अगस्त को सुबह 7 से 8 बजे तक योगासन तथा 8 बजे से प्रवचन तथा उसके बाद गुरू पूर्णिमा के उपलक्ष्य में गुरू पूजन के आयोजन होंगे

बजरंग दल ने यात्रा के लिए प्रस्थान किया

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

इंदौर। विश्व हिंदू परिषद मालवा प्रांत के प्रांत मंत्री विनोद शर्मा ने कहा कि आज बजरंग दल के 600 कार्यकतार्ओं ने मालवा प्रांत से बाबा बूढ़ा अमरनाथ की साहसिक यात्रा के लिए प्रस्थान किया है। जिस प्रकार देश में जनसंख्या परिवर्तन हो रहा है, वैसा ही जम्मू कश्मीर में भी हुआ है। पुंछ, राजौरी क्षेत्र में हिंदू अल्पसंख्यक हो गया है। इस यात्रा के माध्यम से उन हिंदुओं का मनोबल बढ़ता है। यात्रा में जाने वाले बजरंग दल के कार्यकतार्ओं का स्थानीय हिंदू समाज आत्मीयता के साथ स्वागत सत्कार करता है। यह यात्रा अत्यंत साहसिक यात्रा है, पूर्व में भी हिंदू समाज की इस यात्रा पर आतंकवादी हमले भी हुए हैं।यह जान कारी देते हुए रवि कसेरा ने बताया कि बजरंग दल के कार्यकर्ता अपनी जान जोखिम में डालकर प्रतिवर्ष इस यात्रा के लिए जाते हैं। मालवा प्रांत में इंदौर, उज्जैन, रतलाम, खंडवा, शाजापुर से रेलवे द्वारा कार्यकर्ता इस यात्रा के लिए गए हैं।

आठ दिनी महारुद्राभिषेक में किया पितृ पूजन

विद्वान आचार्यों ने यजमानों के पितरों की प्रसन्नता के लिए कराए पाठ

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

इंदौर। शहर में हो रहे अष्ट दिवसीय महारूद्राभिषेक को लेकर जहां तैयारियां अंतिम चरण में हैं, वहीं इस अद्भुत एवं अनूठे आयोजन में 151 जोड़ों से बढ़कर यजमानों की संख्या भी करीब पौने दो सौ हो गई है। आठ दिवसीय आयोजन में तीसरे दिन यजमानों के पितरों की प्रसन्नता के लिए पितृ पूजन कराया। इस दौरान विद्वान आचार्य आचार्य पं. मधुसूदन उपाध्याय एवं पं. नवीन उपाध्याय के द्वारा विभिन्न पाठ और विधि-विधान से पूजन कराया गया। जानकारी देते हुए पं. सुनील शर्मा (सकरगाए) ने बताया कि महारुद्राभिषेक में प्रत्येक दिवस यजमानों के लिए अलग-अलग पूजन किए जा रहे हैं। इसी कड़ी में तीसरे दिन यजमानों के पितरों की प्रसन्नता और उनका आशीर्वाद प्राप्त करने के लिए पितृ पूजन कराया गया। रुद्राभिषेक से जुड़े समस्त यजमानों के पितरों को याद करते हुए उनकी प्रसन्नता के लिए गूगल मिट के माध्यम से पितृ सूक्त,गीता,पुरुषसुक्त, भागवत महापुराण आदि का पाठ किया गया। नार्मदीय समाज के यजमानों ने अपने-अपने घरों में पूजन कर अपने पितरों का अशीर्वाद लिया।

आधा मानसून बीतने के बाद इंदौर में निगम को आई खतरनाक मकानों की याद

97 खतरनाक मकान

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

इंदौर। इंदौर में मानसून का सीजन आधा बीत गया है,लेकिन नगर निगम की नींद खतरनाक मकानों को लेकर अब खुली है। सागर में दीवार गिरने से हुई 9 बच्चों की मौत के बाद नगरीय प्रशासन विभाग ने सभी जिलों के कलेक्टरों को खतरनाक मकानों की स्थिति पता करने और उन्हें हटाने के निर्देश दिए है।

इसके बाद इंदौर नगर निगम के अफसर भी सक्रिय हुए। इंदौर में करीब 97 खतरनाक मकान नगर निगम की सूची में शामिल है। इसमें 40 से ज्यादा अतिखतरनाक मकान है। जिन्हें हटाने के लिए नगर निगम ने नोटिस जारी किए है।

मंगलवार को कलेक्टर आशीष सिंह ने शहर के खतरनाक मकानों की समीक्षा बैठक में की थी। बुधवार को नगर निगम ने तीन खतरनाक मकान हटाए। जूनी इंदौर क्षेत्र में एक मकान डेढ़ सौ साल पुराना था। जिसे तोड़ा गया।

नगरीय प्रशासन मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने कहा कि सभी जिलों में खतरनाक निर्माणों की नए सिरे से सर्वे कर सूची बनाने को कहा गया है। इसके अलावा अति खतरनाक मकानों को हटाने के लिए भी कहा गया है।

इंदौर में भी हो चुके है खतरनाक मकानों के कारण हादसे

इंदौर में भी खतरनाक मकान, कुंए गिरने के कारण हादसे हो चुके है। पांच साल एक खतरनाक होटल के गिरने से दस लोगों की मौत हो चुकी है। इसके अलावा खातीपुरा क्षेत्र में एक खतरनाम मकान के मलबे में दबने से पांच लोगों की मौत हो चुकी है।

इंदौर में ज्यादातर खतरनाक मकानों के प्रकरण कोर्ट में है। इस कारण नगर निगम उन्हें तोड़ नहीं पाता है। इंदौर में एक कुंए की स्लैब के गिरने से पिछले साल 36 लोगों की मौत हो चुकी है।

महिला से मोबाइल लूट में तीन पकड़ाए

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

इंदौर। महिला का मोबाइल लूटने पहुंचे तीन बदमाश पकड़ा गए। पुलिस आरोपियों से पूछताछ कर रही है। बाणगंगा पुलिस के मुताबिक रामसखी नाम की महिला ने बताया कि वह दोपहर में 12 बजे पैदल अपने घर भगतसिंह नगर से सुंदर नगर में बेटी को छोड़ने नोवल स्कूल जा रही थी। पीछे से बाइक पर तीन लड़के आए। पीछे बैठे लड़के ने हाथ से मोबाइल पर झपट्टा मारा। महिला ने पुलिस को बताया कि आरोपी उसके हाथ से मोबाइल नहीं छुड़ा पाए और बाइक सहित गिर गए। लेकिन महिला गिर गई। उसके गिरते ही आरोपी वहां से भागने लगे तो लोगो ने उन्हें पकड़ लिया। बाद में पुलिस को बुलाकर आरोपियों को पुलिस के हवाले किया गया।

दहेज में 5 लाख की मांग

इंदौर। एक महिला से उसके पति और ससुराल वालों ने दहेज में 5 लाख र ुपए की मांग की, नहीं लाने पर उसे प्रताड़ित किया। चंदन नगर पुलिस ने नरगिस हुसैन निवासी सकीना मंजिल तीसरी गली की शिकायत पर पति शाहरुख, देवर सलमान, ससुर अंसार हुसैन और सास शमीम बी के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है । सभी खजराना सुपर पैलेस के रहने वाले हैं। नरगिस ने पुलिस को बताया कि उसकी छोटी बहन की शादी उसके देवर सलमान से ही हुई थी । सलमान ने उसे तलाक भी दे दिया है। इधर उसका पति-देवर और परिवार वाले उसे 5 लाख रु. की मांग कर रहे हैं । लगातार उसे यातनाएं देकर मारा पीटा जा रहा था। पिछले दिनों भी उसे जमकर मारा पीटा और घर से निकाल दिया। तब से वह अपनी मां के घर रह रही है। बाद में उसने थाने पहुंचकर शिकायत दर्ज करवाई।

नन्हे कौशिक को मिला नया जीवन, सरकारी खर्च पर हुआ 35 लाख रुपए का इलाज

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

इंदौर। बंकिम सेन पश्चिम निमाड़ के एक छोटे से गांव बडगांव में अपनी हेयर सैलून दुकान के संचालन से जैसे-तैसे अपने और परिवार का लालन पालन करते हैं। सीमित आजीविका संसाधनों के बीच परिवार हंसी खुशी से चल रहा था कि वर्ष 2021 में एक दिन अचानक से उनके 11 वर्षीय छोटे बेटे कौशिक को बुखार आया। अस्पताल में भर्ती करने पर मालूम हुआ बच्चे को डेंगू हुआ है और उसके प्लेटलेट्स कम हो गए हैं। इलाज से ठीक होने के बाद फिर एक माह बाद बुखार आ गया और जांच में सीबीसी कम होकर 4 ग्राम खून होने की बात मालूम हुई। परिवार ने 2 यूनिट रक्त की व्यवस्था की। कुछ दिन ठीक रहने के बाद करीब 8 से 10 दिन बाद ही फिर 2 यूनिट रक्त चढ़ाए जाने की स्थिति बन गई। बीमारियों ने जैसे कौशिक को अपने आगोश में लेना शुरू कर दिया। स्थानीय चिकित्सकों ने इंदौर में किसी विशेषज्ञ को बताने की सलाह दी। यहां जांच कराने पर मालूम हुआ कौशिक को ल्युकेमिआ नामक कैंसर है। 23 सितंबर 2022 का वह दिन

कौशिक के परिवार पर मानों दुखों का पहाड़ टूट पड़ा। माता-पिता और अन्य परिजनों का कौशिक की बीमारी की जानकारी सुन, बुरा हाल हो गया। नन्हें से कौशिक को यह हो जाएगा किसी ने सोचा भी नहीं था। निजी चिकित्सकों द्वारा इलाज का खर्च करीब 30 से 35 लाख रूपये बताया। एक तो बेटे की बीमारी और उस पर गरीब परिस्थिति में इलाज का भारी भरकम खर्च, यह सुन सबके होश उड़ गए। इलाज के लिए कौशिक को एमवाय हॉस्पिटल इंदौर में करीब पांच महीने तक भर्ती रखा गया। यहां किमोथैरेपी से उसका इलाज भी किया गया लेकिन उसके स्वास्थ्य में कोई फर्क नहीं हुआ। इसी दौरान कौशिक का अपेंडिक्स भी फट गया था। किमोथैरेपी से ठीक नहीं होने पर चिकित्सकों ने उसका इलाज सुपर स्पेशलिटी हॉस्पिटल इंदौर में कराने की सलाह दी। कौशिक के माता-पिता ने तत्काल वहां संपर्क किया। यहां चिकित्सकों की टीम ने कौशिक की जांच आदि करते हुए बोन मैरो ट्रांसप्लांट से इलाज की जानकारी दी। परिवार को तसल्ली, हिम्मत और विश्वास दिलाया। यह सुन कौशिक के माता पिता को कुछ राहत महसूस हुई।

सुपर स्पेशलिटी हॉस्पिटल के चिकित्सकों ने कौशिक का इलाज शुरू किया। कौशिक के 13 वर्षीय बड़े भाई कृष्णकांत ने बोन मैरो डोनेट किया। चिकित्सकों की टीम ने इलाज के लिए आवश्यक खर्च हेतु पीएम केयर, मुख्यमंत्री स्वेच्छानुदान निधि, आयुष्मान भारत योजना सहित अन्य दानदाताओं (सीएसआर मद) से संपर्क कर आवश्यक इलाज संबंधित खर्च की व्यवस्था की। सभी ने मुक्त हस्त से कौशिक के जीवन को बचाने के लिए आर्थिक सहयोग किया। आज कौशिक पूरी तरह से स्वस्थ होकर स्कूल जाता है।

गाय खेत में पहुंची, मालिक को मारा डंडा

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

इंदौर। द्वारकापुरी पुलिस को अहिरखेड़ी में खेत पर हुए विवाद की शिकायत दर्ज करवाई है। पुलिस को फरियादी गौरव पिता शेखर पाठक निवासी विदुर नगर ने शिकायत दर्ज कराई कि जब वह अहिरखेडी स्थित गया और गाय का दूध निकालने लगा तो गाय पड़ोसी के खेत पर जा पहुंची तभी पड़ोसी के खेत की रखवाली करने वाला राहुल आया और कहने लगा गाय नहीं संभलती है तो खेत पर आते क्यों हो। इसी बात पर राहुल ने फरियादी के साथ विवाद कर मारपीट करते हुए डंडे से मारपीट की।

वृद्ध सिक्योरिटी गार्ड को रॉड मारकर किया घायल

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

इंदौर। 70 साल के सिक्योरिटी गार्ड के साथ मारपीट का मामला सामने आया है। इसमें दो लोगों ने गार्ड पर हमला कर दिया। लसूड़िया पुलिस के मुताबिक तहसीलदार पिता कुंवर सिंह निवासी रामकृष्ण बाग कॉलोनी को अलसुबह सांई प्राइड निपानिया के रहवासी उपचार के लिये एमवाय अस्पताल लेकर आए थे। बुजुर्ग के सिर और हाथ-पैरों में चोट के निशान थे। रहवासियों ने बताया कि तहसीलदार बिल्डिंग में ही गार्ड है। उसे बिल्डिंग के रहवासियों ने कुत्तों को भगाने के लिए कहा था। लेकिन मंगलवार रात शराब के नशे में दो युवकों ने रॉड से हमला कर घायल कर दिया।पुलिस ने दोनों के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है।

मानसून थीम पर मीटिंग का आयोजन

इंदौर। जैन सोशल ग्रुप यूनिक द्वारा मानसून की थीम पर शहर से कुछ दूर धार रोड पर बहुत ही सुन्दर रिसोर्ट नंदी हिल्स पर मीटिंग आयोजित की गई। मुख्य संयोजक पराग पायल जैन एवं रितेश सुरभि गंगवाल ने बताया कि फ्रैंडशिप डे पर यूनिक के करीब 120 कपल सदस्यों ने इस प्राकृतिक ग्रीनरी से भरपूर स्थान का पूरे दिन भरपूर आनंद लिया। मीटिंग के संयोजक अतुल मीनाक्षी कोचर और शलभ निकिता कीमती ने बताया कि दोस्ती के इस दिन को मनाने के लिए ग्रुप द्वारा शहर के सुप्रसिद्ध लाइव बैंड एसआरडी लाइव का आयोजन किया। अध्यक्ष रितेश टीना टोंग्या और सचिव पीयूष प्रीति जैन ने बताया कि इस मौके पर ग्रुप द्वारा नंदी हिल्स पर वृक्षारोपण का कार्यक्रम भी किया गया।

कब्रस्तान में गांजा पीते पकड़ाए

इंदौर। बड़वाली चौकी कब्रस्तान से गांजा पीते हुए सदर बाजार पुलिस ने सैयद मेहफूज निवासी सिकंदराबाद, रिजवान निवासी जूना कसेरा बाखल को पकड़ा और एनडीपीएस एक्ट की कार्रवाई की। इसके अलावा सांदीपनी स्कूल के पीछे से मोहम्मद जफर निवासी बड़वाली चौकी और बख्शीबाग एक्सटेंशन से मोहम्मद अशरफ निवासी जूनापीठा को गांजा पीते पकड़ा।

प्रिंटिंग प्रेस कर्मचारी की मौत

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

इंदौर। छत्रीपुरा में रहने वाले एक प्रिंटिंग प्रेस कर्मचारी अपने घर में बेसुध मिला। उसे परिवार के लोग एमवाय लेकर पहुंचे। यहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस के मुताबिक मृतक दुर्गेश पिता मनोज वर्मा की बुधवार सुबह मौत हो गई। चचेरे भाई ने बताया कि वह एक प्रिंटिंग प्रेस में काम करता था। मंगलवार को वह रात में महू से आकर सो गया। सुबह उसकी भाभी ने उसे बेसुध हालत में तड़पते देखा तो तुरंत भाई को जानकारी दी। भाई उसे एमवाय अस्पताल लेकर पहुंचा। यहां उसे डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। परिवार के लोगों ने बताया कि दुर्गेश ने कुछ लोगों से ब्याज पर रुपए लेकर किसी और को दिलाए थे। वे रुपए नहीं लौटा रहे थे। इसे लेकर वह तनाव में रहने लगा था। उसे सूदखोर काफी परेशान कर रहे थे। पुलिस ने मर्ग कायम किया है।

अस्पताल के मालिक पर मानव तस्करी की एफआईआर

दो अडॉप्ट बच्चों के गायब होने का मामला; पुलिस अरेस्ट करने घर में घुसी

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

दमोह। दमोह के सबसे बड़े प्राइवेट हॉस्पिटल के ऑनर डॉ. अजय लाल ह्यूमन ट्रैफिकिंग के केस में फंस गए। पुलिस सोमवार को उन्हें अरेस्ट करने घर में घुस गई, लेकिन डॉ. लाल नहीं मिले। इसके बाद मंगलवार रात करीब 12 बजे डॉ. लाल और उनसे जुड़े कई लोगों पर ह्यूमन ट्रैफिकिंग और जुवेनाइल जस्टिस केयर एक्ट के तहत एफआईआर दर्ज की गई। इसके बाद डॉ. लाल की बेटी ने कहा- यहां माहौल खराब है। हम अमेरिका जाएंगे।

इधर, आरोपी डॉक्टर अजय लाल को हाईकोर्ट ने राहत दी है। कोर्ट ने 9 अगस्त तक उनकी गिरफ्तारी पर रोक लगा दी है। डॉ. अजय लाल की आधारशिला संस्था के जरिए बाल भवन का संचालन किया जाता था, जिसमें अनाथ बच्चे रहते थे। करीब एक साल पहले राष्ट्रीय बाल आयोग के अध्यक्ष प्रियंक कानूनगो ने दमोह पुलिस को पत्र जारी किया था, जिसमें 18 साल पहले बाल भवन से अडॉप्ट किए गए दो बच्चों को लेकर ह्यूमन ट्रैफिकिंग की आशंका जताई थी। इसके बाद बाल भवन को बंद कर दिया गया। डॉ. अजय लाल का नर्सिंग कॉलेज भी है। मिशनरी से जुड़े कई बड़े पद उनके पास हैं। उनकी संस्था का नाम पहले मिड इंडिया क्रिश्चियन मिशन था, अब इसे बदलकर आधारशिला संस्थान कर दिया गया है। बताया जाता है कि लोगों की स्वास्थ्य सेवा के लिए विदेश से उन्हें काफी फंडिंग मिलती है। डॉक्टर पर फंडिंग के माध्यम से धर्मांतरण के आरोप भी लगे हैं।

हाल ही में उनके बेटे अभिजीत लाल और करीबी संजीव लैंबर्ट पर मिशन अस्पताल में काम करने वाले तीन कर्मचारियों ने जबरन धर्मांतरण के लिए दबाव बनाने के आरोप लगाए थे। कोतवाली पुलिस ने दोनों के खिलाफ मामला दर्ज किया था। डॉक्टर लाल के बेटे अभिजीत और बेटी अभिनीता ने फॉरेन में शादी की है, दोनों के पास अमेरिका की नागरिकता है।

पुलिस के पहरे से लापता हो गए डॉक्टर लाल

बुधवार तड़के करीब 4 बजे पुलिस ने लाल के परिजनों की मौजूदगी में पूरे घर की तलाशी ली, लेकिन वह कहीं नहीं मिले। पुलिस ने दरवाजा तोड़ा, लैपटॉप और CCTV का DVR भी जब्त किया है। लाल का घर एक किले की तरह सुरक्षा में रहता है। चारों तरफ पुलिस तैनात थी, लेकिन लाल कहां गए इस पर पुलिस ने चुप्पी साध रखी है। दमोह एसपी श्रुत कीर्ति सोमवंशी और एडिशनल एसपी संदीप मिश्रा से इस मामले में बात करने के लिए फोन लगाया तो उन्होंने रिसीव नहीं किया।

लाल के फरार होने के बाद परिवार को रोका

डॉक्टर अजय लाल के फरार होने के बाद उनकी पत्नी इंदू लाल, बेटे अभिजीत लाल और बेटी अभिनीता अपने अमेरिकी पति के साथ जबलपुर जाने के लिए दमोह वाले घर से निकले। पुलिस ने मारुताल टोल नाका के पास उनकी कार को रोक लिया। डॉक्टर लाल के बारे में पूछताछ की। इस दौरान परिजन और पुलिस के बीच काफी बहस हुई। लाल की बेटी अभिनीता ने पुलिस पर प्रताड़ित करने के आरोप लगाए। उन्होंने पुलिस से कहा कि आपने मेरे पिता को पहरेदारी में रखा था तो आप ही बताइए वे कहां हैं। हालांकि, पुलिस के पास इसका कोई जवाब नहीं था। पुलिस ने परिवार को रातभर आधारशिला संस्थान के कैंपस में रोक कर रखा। सुबह नोटिस पर साइन करवाकर उन्हें जाने दिया।

लाल के बेटे ने कहा- सेवा करने की मिल रही सजा

डॉ. अजय लाल के बेटे अभिजीत ने कहा, लोगों की सेवा करने की सजा मिल रही है। मेरे पिता अपना पूरा जीवन दमोह के लिए समर्पित कर चुके हैं। पिता पर एफआईआर हुई है। जबलपुर हाईकोर्ट और सुप्रीम कोर्ट के वकीलों से बात करूंगा। पुलिस हमसे पूछ रही है कि पिता कहां हैं, जबकि पुलिस ने ही उन्हें नजरबंद कर रखा था। वह भी बिना कोई नोटिस दिए। बेटी अभिनीता ने कहा कि हम दमोह को अपना घर मानते हैं। हमारे पिता यहां लोगों की मदद करते हैं। अब उन्हें झूठे मामलों में फंसाया जा रहा है। हम फॉरेनर हैं और यहां अपने परिवार से मिलने आते हैं। अब माहौल खराब हो गया है, इसलिए वापस अपने देश जा रहे हैं।

आमला विधायक को आया कॉल-

बीजेपी अध्यक्ष नड्डा बात करेंगे

कानपुर के व्यक्ति ने खुद को भाजपा पदाधिकारी बताया, कहा- मंत्री बनवा दूंगा, नड्डा के नाम पर मांगे रुपए

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

बैतूल। जिले के आमला से भाजपा विधायक डॉक्टर योगेश पंडाग्रे से मंत्री बनवाने के नाम पर सवा लाख रुपए की डिमांड की गई है। कॉल करने वाले ने खुद को भाजपा का पदाधिकारी बताया और राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा जी से फेक बात करवाई। शक होने पर विधायक ने दिल्ली में राष्ट्रीय अध्यक्ष के पीएम से बात की और फिर बैतूल पुलिस से शिकायत की।

पुलिस ने आरोपी को उत्तरप्रदेश के कानपुर में गिरफ्तार किया और बुधवार को बैतूल लेकर पहुंची। प्रारंभिक जांच में पता चला है कि आरोपी ने पंडाग्रे ही नहीं मंत्री बनाने का लालच देकर कई विधायकों से संपर्क किया है। वहीं, गिरफ्त में आए व्यक्ति ने आरोपों को गलत बताया है। उसका कहना है कि मैंने विधायक से पैसे मांगे हैं। यह मिस अंडरस्टैंडिंग है। मैं अपना पक्ष कोर्ट में रखूंगा।

तीन-चार दिनों से कर रहा था कॉल

आमला विधायक डॉक्टर योगेश पंडाग्रे ने बताया कि तीन-चार दिन पहले करीब साढ़े 11 बजे मेरे पास एक व्यक्ति का कॉल आया था। उसने खुद को भाजपा का पदाधिकारी बताया और कहा- राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा जी आपने बात करना चाहते चाहते हैं। दोपहर 2 बजे के बाद आप फोन के पास ही रहिएगा। आप इस नंबर को सेव कर लीजिए, मैं कॉल करूंगा। शाम करीब 4 बजे मेरे पास फिर से कॉल आया। उसने कहा- राष्ट्रीय अध्यक्ष जी बात करना चाह रहे हैं। मैंने बात की तो उधर से कहा गया 10 तारीख को दिल्ली आकर आप मुझसे मिलिए। उन्होंने कहा- हमारा कुछ आगे का प्लान है, उसमें आप शामिल होइए और कुछ सहयोग भी करिए। उसने कहा- मंत्रिमंडल का विस्तार जल्दी होने वाला है और आपको मंत्री बनवा दिया जाएगा। आंध्रप्रदेश में एक आयोजन होने जा रहा है, इसलिए आप उसमें सवा लाख रुपए का सहयोग करिए। वहां से एक क्यू आर कोड भी भेजा गया। आवाज से ऐसा लगा कि फेक कॉल है। मुझे शक हुआ तो मैंने उसके फोन रखते ही बीजेपी दफ्तर में कॉल किया। मैंने बताया कि कुछ फेक कॉल आ रहे हैं, विधायकों को प्रलोभन देकर रुपयों की डिमांड की जा रही है। मुझे वहां से कहा गया कि आप तत्काल केस दर्ज करवाकर एफआईआर की कॉपी दिल्ली भेजिए। मैंने ऐसा ही किया। मैंने उसे कैश देने की बात कहते हुए दो तीन दिन तक बातों में उलझाकर रखा। इसके बाद मंगलवार को उक्त व्यक्ति को कानपुर से गिरफ्तार किया गया।

मुलताई विधायक को भी कॉल किया

पंडाग्रे ने बताया कि बुधवार को आरोपी को बैतूल लाया गया। मैं थाने पहुंचा और बात की तो पता चला कि उसने कई विधायकों को कॉल कर रुपए की मांग की है। मेरे भी कुछ विधायक मित्रों को ऐसे कॉल आए हैं। मैंने तो घोड़ाडोंगरी विधायक गंगाबाई उईके और मुलताई विधायक चंद्रशेखर देशमुख जी को कॉल कर बताया था कि ऐसे फेक कॉल आ रहे हैं। अगले दिन चंद्रशेखर जी का मेरे पास कॉल आया था, उन्होंने बताया कि उनसे भी संपर्क किया गया है। पंडाग्रे ने कहा- जेपी नड्डा जी की आवाज को बीजेपी का हर कार्यकर्ता पहचानता है। इस मामले में आरोपी ने बेवकूफी की। उसकी आवाज अलग लग रही थी। ऐसा प्रतीत हो रहा था कि वह गुटखा खाकर बनावटी आवाज निकालने की कोशिश कर रहा था।

पी डब्ल्यूडीमंत्री बोले-अफसर लिखकर दें गड्ढामुक्त हो गई सड़क

48 घंटे में दूसरी बार ली अफसरों की मीटिंग, अभियान चलाकर मरम्मत करने के निर्देश

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

भोपाल। बेहतर सड़कों पर आवागमन का लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) का दावा सावन के महीने में हुई बारिश की तरह धुल गया है। विभाग के मंत्री ने लोकपथ ऐप से सात दिन में सड़कों की मरम्मत और क्वालिटी मेंटेन रखने का दावा किया था। अब सड़कों के कारण हो रही किरकिरी को देखते हुए मंत्री और प्रमुख अभियंता ने विभाग के इंजीनियरों को एक हफ्ते में सड़कों को दुरुस्त करने का समय दिया है।

एक सप्ताह में कराएं मरम्मत

लोक निर्माण मंत्री राकेश सिंह ने बुधवार को मंत्रालय में बारिश में क्षतिग्रस्त सड़कों की समीक्षा की। यहां विभाग के अपर मुख्य सचिव केसी गुप्ता, प्रबंध संचालक सड़क विकास निगम, प्रमुख अभियंता समेत अन्य अफसरों से मंत्री सिंह ने कहा कि एक सप्ताह का अभियान चलाकर सड़कों, शोल्डरों एवं पुल-पुलियाओं की मरम्मत करने का काम पूरा कराएं। मंत्री सिंह ने बैठक में यह भी निर्देश दिए हैं कि मरम्मत के बाद इंजीनियरों से यह प्रमाण पत्र भी लिया जाए कि उनके क्षेत्र में अब कोई क्षतिग्रस्त सड़क मरम्मत के लिए शेष नहीं है।

मंत्री ने दो दिन पहले दिया था 24 घंटे का अल्टीमेटम

मंत्री राकेश सिंह ने पांच अगस्त को लोकपथ ऐप में दर्ज शिकायतों और उनके निराकरण का रिव्यू किया था। तब यह बात सामने आई थी कि लोकपथ ऐप में 1846 शिकायतें प्राप्त हुई हैं जिसमें से 1609 शिकायतों का निराकरण किया गया है। मंत्री सिंह ने बैठक में लोकपथ ऐप में अधिक समय से पेंडिंग शिकायतों पर नाराजगी जताते हुए 24 घंटे में समय सीमा के बाहर वाली कम्प्लेन का निराकरण करने के लिए कहा था। साथ ही ऐसा न होने पर कार्रवाई की भी चेतावनी दी थी।

भोपाल के अफसरों का दावा, 14 में से 6 सड़कों के गड्ढे भरे

अधीक्षण यंत्री भोपाल के अनुसार लोक निर्माण विभाग के अधीन भोपाल शहर में सड़कों पर वर्षा ऋतु में लगभग 3 प्रतिशत सड़कों में गड्ढे पाए गए। अधिकांश की मरम्मत कर दी है। भोपाल शहर में लोक निर्माण विभाग के पास में 573 किमी सड़कें हैं। 400 किमी सड़कें परफॉर्मेंस गारंटी और 173 किमी सड़कें साधारण मरम्मत वाली हैं। भोपाल शहर के 14 मार्गों के 22 किमी की लंबाई में 523 वर्गमीटर में गड्ढे हुए थे। जिसमें से 6 सड़कों में मरम्मत कार्य कर दिया गया। शेष सड़कों में मरम्मत का कार्य किया जा रहा है। अधीक्षण यंत्री मंडल भोपाल ने शहर के 14 मार्गों का निरीक्षण किया है।

ऐसा है एमपी में सड़कों का नेटवर्क

लोक निर्माण विभाग के पास 81000 किमी सड़क का नेटवर्क है। जिसमें से 9315 किमी राष्ट्रीय राजमार्ग, 12568 किमी स्टेट हाईवे, 25420 किमी मुख्य जिला मार्ग तथा 33697 किमी की ग्रामीण सड़कें हैं।

लोक निर्माण विभाग ने हर मार्ग पर सब इंजीनियर, एसडीओ, कार्यपालन यंत्री स्तर के अधिकारियों को मार्ग वार जिम्मेदारी सौंपी है।

वर्षा ऋतु में बिटुमन इमल्शन की लेयर डालकर पेच रिपेयर का कार्य किया जा रहा है। अधिक क्षतिग्रस्त स्थानों पर 100 एमएम पेवर ब्लॉक जो M-40 कॉन्क्रीट से निर्मित होते है, उससे भी मरम्मत का कार्य किया जा रहा है।

लोकपथ ऐप पर 206 सड़कों की कम्प्लेन पेंडिंग

6 अगस्त की स्थिति में लोकपथ ऐप पर विभाग को 1868 शिकायतें प्राप्त हुई हैं जिसमें 1662 शिकायतों का निराकरण किया जा चुका है। भविष्य में शहरी मार्गों को बार-बार क्षतिग्रस्त होने से बचाने के उद्देश्य से व्हाइट टॉपिंग से कॉन्क्रीट की पतली लेयर डालकर उन्नयन करने की योजना है ताकि वर्षा ऋतु में पर्याप्त जल निकासी के अभाव में भी सड़कें सुरक्षित रहे।

पेच रिपेयर के लिए यह तकनीक अपना रहे

पेच रिपेयर के लिए नई तकनीक जेट पेचर, वेलोसिटी पेचर और इन्फ्रारेड का उपयोग किया जा रहा है। जिसके तहत 600 किमी की लंबाई में मार्गों का मेंटेनेंस (Comprehensive Maintenance) किया जा रहा है। इसमें ठेकेदार को गड्ढों के मरम्मत के साथ-साथ पुल-पुलियों की मरम्मत, रंगाई, पुताई, शोल्डर, रोड फर्नीचर की मरम्मत का कार्य भी किया जाता है। इन तकनीकों में वेलोसिटी पेचर मशीन का उपयोग रायसेन, सीहोर, सागर संभाग में 222 किमी में किया जा रहा है। भोपाल संभाग में 186 किमी में जेट पेचर तकनीक तथा इन्फ्रारेड का उपयोग भिंड, मुरैना, दतिया, ग्वालियर में लगभग 211 किमी में किया जा रहा है।

संपादकीय

एक वर्ष से जारी हिंसा

मणिपुर में हिंसा की शुरुआत के एक वर्ष से ज्यादा बीत चुके हैं और आज भी इसके रुकने के आसार नहीं नजर आ रहे हैं। थोड़े अंतराल के बाद संबंधित संगठनों के बीच बातचीत या समझौते की कोई खबर आती है और कुछ ही दिनों बाद फिर से हिंसा भड़क जाती है। सवाल है कि इतने समय से सरकार किस दिशा में क्या काम कर रही हैं कि एक छोटे से राज्य में इतने लंबे वक्त से टकराव और हिंसा कायम है। विचित्र हकीकत यह है कि राज्य सरकार आधिकारिक रूप से यह स्वीकार करती है कि हालात अच्छे नहीं हैं, मगर इसमें सुधार के लिए या तो उसे ठोस पहल करना जरूरी नहीं लगता या फिर उसके पास दूरदर्शिता का घोर अभाव है। वरना राज्य सरकार की तमाम एजंसियों, केंद्र सरकार के प्रयासों, सेना की दखल के बावजूद आज भी हिंसा का दौर जारी है, लोग बेघर हो रहे हैं तो इसकी क्या वजह हो सकती है? विचित्र यह है कि मणिपुर के मुख्यमंत्री एन बीरेन सिंह को जहां इस बात की जिम्मेदारी लेनी चाहिए कि राज्य में लगातार हिंसा को रोक पाने में उनकी सरकार नाकाम रही है, वहां वे राज्य में इस जातीय हिंसा की वजह से हुई तबाही के सिर्फ आंकड़े पेश कर रहे हैं। गौरतलब है कि एक सवाल के जवाब में सोमवार को विधानसभा में मुख्यमंत्री ने यह बताया कि राज्य में हुई हिंसा में अब तक करीब साठ हजार लोग विस्थापित हुए हैं और इस दौरान हुई आगजनी में ग्यारह हजार से ज्यादा घर जल कर खाक हो गए। यह समझना मुश्किल है कि एक वर्ष से ज्यादा से जारी हिंसा के पीड़ितों का आंकड़ा पेश करते हुए उन्हें इसका अहसास था या नहीं कि हिंसा को पूरी तरह रोकना उनका दायित्व है। मगर पिछले वर्ष जब एक अदालती निर्देश के तहत मैतेई समुदाय को अनुसूचित जनजाति वर्ग का दर्जा देने का मसला उठा तभी जातीय हिंसा शुरू हुई। तब भी उनकी सरकार के पास इसे वहीं थाम लेने की दूरदर्शिता नहीं दिखी और न आज वह कुछ ऐसा ठोस कर पा रही है, जिससे राज्य के आम लोग इस आग से बाहर निकल सकें। यह जगजाहिर तथ्य है कि मणिपुर में आज कुकी-जो और मैतेई सहित अलग-अलग समुदायों के बीच अविश्वास का स्तर इतना गहरा हो चुका है कि संवाद की गुंजाइश बेहद सिमट या खत्म हो गई है।

अर्ज़ किया है..!

मौसम-ए-ज़र्द में एक दिल को बचाऊँ कैसे
ऐसी रुत में तो घने पेड़ भी झड़ जाते हैं

- मोहसिन नक़वी

isha

मैं तुम्हें बदलना चाहता हूं ये क्रांति नहीं है।
मैं बदलना चाहता हूं अब ये एक क्रांति है।

- जग्गी वासुदेव

धर्म-कर्म

नागपंचमी के दिन चूल्हे पर नहीं चढ़ाया जाता तवा, नहीं बनती रोटी

जानें क्या है इसके पीछे की वजह ...

हिंदू पंचांग के अनुसार, सावन माह के शुक्ल पक्ष की पंचमी तिथि पर नाग पंचमी मनाई जाती है। इस साल नाग पंचमी का पर्व शुक्रवार, 09 अगस्त को मनाया जाएगा। इस तिथि भगवान शिव के साथ-साथ नाग देवता की पूजा का भी विधान है। रोटी भारतीय व्यंजन का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है, लेकिन नाग पंचमी के दिन रोटी बनाना शुभ नहीं माना जाता। चलिए जानते हैं आखिर क्यों नहीं बनाना चाहिए नागपंचमी के दिन रोटी।

नाग पंचमी का महत्व

धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, नाग पंचमी पर नाग देवता की पूजा-अर्चना से साधक के जीवन में सुख-समृद्धि बनी रहती है। साथ ही इस दिन खेतों में फसलों की रक्षा के लिए भी नाग देवता की पूजा की जाती है। नाग पंचमी के दिन नाग देव की आराधना से भगवान भोलेनाथ प्रसन्न होते हैं और अपने भक्तों की सभी मनोकामनाएं पूर्ण करते हैं।

इसलिए नहीं बनती रोटी

नाग पंचमी के दिन लोहे से बनी चीजों का इस्तेमाल करना वर्जित माना जाता है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, रोटी बनाने के लिए जिस तवे का इस्तेमाल किया जाता है उसे नाग के फन से जोड़कर देखा जाता है। ऐसे में नाग पंचमी पर चूल्हे पर तवा रखने से नाग देवता नाराज हो सकते हैं। साथ ही तवे को राहु के प्रतीक के रूप में भी देखा जाता है और नाग पंचमी पर इसके इस्तेमाल से कुंडली में राहु ग्रह का प्रभाव बढ़ सकता है। ऐसे में नाग पंचमी पर तवे पर रोटी बनाने से व्यक्ति को जीवन में कई तरह की मुसीबतों का सामना करना पड़ सकता है।

इन तिथियों पर भी नहीं बनती रोटी

नाग पंचमी के अलावा हिंदू धर्म में कुछ और भी ऐसी तिथियां है, जब रोटी बनाना शुभ नहीं माना जाता है। शीतला अष्टमी के दिन मां शीतला की पूजा का विधान है। इस दिन माता शीतला को बासी खाने का भोग लगाया जाता है और इसे ही प्रसाद को सभी को ग्रहण किया जाता है। इसलिए इस दिन रोटी बनाना की मनाही होती है। वहीं कई मान्यताओं के अनुसार, दीवाली, मकर संक्रांति और शरद पूर्णिमा जैसे अवसरों पर भी रोटी बनाने की मनाही होती है।

New Delhi

सिर पर सामान और चेहरे पर बेबसी, पाकिस्तान छोड़कर भाग आए 21 हिंदू, अटारी सीमा से एंट्री

नई दिल्ली, (एजेंसी) पाकिस्तान में उत्पीड़न का शिकार होने वाले 2 हिंदू परिवार भारत आ गए हैं। इन दोनों परिवारों के कुल 21 लोग बुधवार को अपनी जरूरत की तमाम चीजें लेकर अमृतसर के पास अटारी बॉर्डर से भारत में आए। इन लोगों ने फिलहाल राजस्थान के जोधपुर का रुख किया है और ये लोग वहीं बसना चाहते हैं। पाकिस्तान से ये लोग ऐसे समय में भारत आए हैं, जब बांग्लादेश में भी हिंदू उत्पीड़न का शिकार हो रहे हैं। बांग्लादेश में तख्तापलट के बीच भारी हिंसा का दौर चल रहा है और बड़े पैमाने पर हिंदुओं के घरों को फूंका जा रहा है। दो पार्षदों समेत कई हिंदुओं के कत्ल किए जा चुके हैं और मंदिरों तक को निशाना बनाया गया है।

अटारी बॉर्डर पहुंचे 21 लोगों को लेने के लिए जोधपुर का एक शख्स पहुंचा था। उसका कहना था कि इनमें से 16 लोग उसकी पत्नी के रिश्तेदार हैं। इसके अलावा 5 अन्य लोग भी उनसे ही जुड़े हुए एक परिवार के हैं। ये सभी लोग पाकिस्तान के पंजाब सूबे के रहीम यार खान में रहते थे, लेकिन लगातार खराब होते माहौल को देखते हुए इन लोगों ने पलायन का फैसला कर लिया। जोधपुर से इन लोगों को लेने आए शख्स ने कहा कि उनका साला और ससुर यहीं रहना चाहते हैं। इसका कारण वे नहीं बता रहे, लेकिन वे पाकिस्तान लौटने को तैयार नहीं हैं। टाइम्स ऑफ इंडिया की रिपोर्ट के मुताबिक इस समूह में शामिल कई लोगों ने कहा कि आने वाले दिनों में कुछ और हिंदू परिवार भारत आ सकते हैं। यही नहीं एक ने कहा कि बांग्लादेश में जिस तरह हिंदुओं पर अत्याचार हो रहे हैं।

उसे देखते हुए हमें लगा कि जल्दी ही भारत की तरफ

Uttarpradesh

कौन बन गया महिलाओं का दुश्मन, बरेली में एक ही तरीके से 9 को मारा सीरियल किलर का खौफ

बरेली, (एजेंसी) उत्तर प्रदेश के बरेली जिले में इन दिनों महिलाओं के सीरियल किलर को लेकर दहशत है। बीते 14 महीनों में 9 महिलाओं के कत्ल हो चुके हैं और सभी में हत्या का एक पैटर्न देखने को मिला है। इसके चलते पुलिस भी इन मामलों में किसी सीरियल किलर के होने के ऐंगल से इनकार नहीं कर रही है। दो थाना क्षेत्रों के 25 किलोमीटर के दायरे में हुए इन कत्लों ने पुलिस को भी हैरान कर रखा है। आमतौर पर इन हत्याओं का पैटर्न यह रहा है कि सभी महिलाओं को खेत या उसके आसपास दोपहर में मारा गया। इसके अलावा एक समानता यह है कि मारी गई सभी 9 महिलाओं की उम्र 45 से 55 साल की रही है।

एक बात यह भी है कि हत्या के बाद जो शव बरामद हुए, उनमें महिलाओं के कपड़े अस्त-व्यस्त पाए गए। लेकिन किसी भी केस में जांच में यह नहीं सामने आया कि उनका यौन उत्पीड़न हुआ है। यूपी के डीजीपी प्रशांत कुमार ने इस मामले में टाइम्स ऑफ इंडिया से कहा कि हमारी पुलिस बीते 6 महीने से जांच में जुटी है। हम इन मामलों में सीरियल किलर के ऐंगल से भी इनकार नहीं कर सकते। ऐसा इसलिए क्योंकि सभी हत्याओं का तरीका एक सा है। फिलहाल तीन संदिग्धों के स्केच जारी किए गए हैं। लंबी जांच के बाद पुलिस को कुछ इनपुट मिला था। इसके आधार पर ही तीन लोगों के स्केच जारी हुए हैं।

इन हत्याओं का सिलसिला बीते साल जून

New Delhi

भारत में घुसपैठ करने की फिराक में बांग्लादेशी आतंकी, खुफिया रिपोर्ट के बाद अलर्ट मोड पर बीएसएफ

नई दिल्ली, (एजेंसी) बांग्लादेश में हिंसा और सियासी अफरा-तफरी के बीच वहां के आतंकी इस मौके का फायदा उठाना चाहते हैं. खुफिया सूत्रों के मुताबिक बांग्लादेश के रेडिकल ग्रुप भीड़ का सहारा लेकर भारत में घुसपैठ करने की तलाश में हैं. इस तरह की खुफिया रिपोर्ट मिलने के बाद BSF को हाई अलर्ट पर रखा गया है.

दरअसल, बांग्लादेश में इस समय जो हालात हैं, उसे देखते हुए भारत- बांग्लादेश बॉर्डर पर बहुत से बांग्लादेशी नागरिक भारत आने की कोशिश कर रहे हैं. घुसपैठ की इस कोशिश के बीच भीड़ का सहारा लेकर रेडिकल ग्रुप भारत में घुस सकते हैं. इसके चलते BSF को बॉर्डर पर बड़े स्तर पर चौकन्ना किया गया है.

सुरक्षा एजेंसियों ने एक अलर्ट जारी कर कहा है कि बांग्लादेश से प्रतिबंधित इस्लामी आतंकवादी संगठन जमात-उल-मुजाहिदीन बांग्लादेश (JMB) और अंसारूल्लाह बांग्ला टीम(ABT) के आतंकवादी के साथ ही दूसरे अपराधी वहां की जेलों से भाग गए हैं. ये आतंकी घुसपैठ कर सकते हैं, इसलिए अतिरिक्त चौकसी बरती जाए.

Uttarpradesh

भीड़ देखती रही, वीडियो बनते रहे और किसी ने नहीं बचाई जान... बीच सड़क पर भाई ने घोंट दिया छोटी बहन का गला

मेरठ, (एजेंसी) उत्तर प्रदेश के मेरठ में एक भाई ने अपनी नाबालिग बहन की गला दबाकर सिर्फ इसलिए हत्या कर दी क्योंकि वो अपनी पसंद के लड़के से शादी करना चाहती थी. ऐसा नहीं है कि आरोपी ने इस वारदात को घर में अंजाम दिया हो. उसने बीच सड़क पर पहले 16 साल की बहन को पटक दिया और फिर गला दबाकर मार डाला. इस दौरान वहां कई लोग मौजूद थे, जो इसका वीडियो बना रहे थे, लेकिन किसी ने उस किशोरी की जान नहीं बचाई. पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है.

यह घटना इंचौली थाना इलाके के नंगला शेखू गांव की है, जहां हसीन (26) नाम के युवक ने अपनी छोटी बहन अमरीशा (16) को सरेआम

बीच चौराहे पर गला दबाकर मार डाला. अमरीशा ने खुद को बचाने का प्रयास किया, लेकिन वो भाई की मजबूत पकड़ से निकल नहीं सकी. भाई के ऊपर खून का ऐसा भूत सवार था कि उसने रिश्तों को ताक पर रखकर छोटी बहन को खत्म करने का ठान लिया था.

खेल

हरियाणा के सीएम का ऐलान, विनेश फोगाट को मिलेंगे सिल्वर मेडल विजेता वाले सारे लाभ

चंडीगढ़। भारत की स्टार रेसलर विनेश फोगाट को देश में सभी लाभ गोल्ड मेडलिस्ट खिलाड़ी वाले मिलेंगे। हरियाणा सरकार ने गुरुवार को ऐलान कर दिया है। इसपर फोगाट के परिवार ने भी खुशी जताई है और कहा है कि इससे अन्य खिलाड़ियों को भी प्रोत्साहन मिलेगा। 100 ग्राम वजन ज्यादा होने के चलते फोगाट को अयोग्य घोषित कर दिया गया था। बुधवार को उनका फाइनल मैच होना था।

हरियाणा के सीएम नायब सिंह सैनी ने कहा कि विनेश फोगाट को वो सारे लाभ मिलेंगे, जो रजत पदक विजेता को मिलते हैं। उन्होंने लिखा, 'हरियाणा की हमारी बहादुर बेटी विनेश फोगाट ने जबरदस्त प्रदर्शन करके ओलंपिक में फाइनल में प्रवेश किया था। किन्हीं भी कारणों से वो भले ही ओलंपिक का फाइनल नहीं खेल पाई हो लेकिन हम

सबके लिए वो एक चैंपियन हैं।'

उन्होंने आगे लिखा, 'हमारी सरकार ने ये फैसला किया है कि विनेश फोगाट का स्वागत और अभिनंदन एक मेडलिस्ट की तरह ही किया जाएगा। हरियाणा सरकार ओलंपिक रजत पदक विजेता को जो सम्मान, ईनाम और सुविधाएं देती है वे सभी विनेश फोगाट को भी कृतज्ञता पूर्वक दी जाएंगी। हमें आप पर गर्व है विनेश।'

सिनेमा

'इज्जत देते हैं लेकिन काम नहीं' सिंगर कुमार सानू को इंडस्ट्री से शिकायत, बताया क्यों गाते हैं कम गाने

कुमार सानू हिंदी सिनेमा के मशहूर गायकों में से एक हैं. उन्हें 90 के दशक में तमाम सुपरहिट गाने देने के लिए जाना जाता है. आज भी कोई पार्टी, इवेंट या शादी उनके गानों के बिना अधूरी लगती है. वो जब भी स्टेज पर गाने के लिए आने आते हैं, अपनी आवाज से म्यूजिक लवर्स को मंत्रमुग्ध कर जाते हैं. हालांकि, उम्दा गायिकी के बावजूद आजकल फिल्मों में उनके गाने कम ही सुनने को मिलते हैं. जब सिंगर से इसकी वजह पूछी गई, तो उन्होंने शॉकिंग जवाब दिया. कुमार सानू से पूछा गया कि अब फिल्मों में उनके गाने कम क्यों सुनाई देते हैं? हिंदुस्तान टाइम्स संग बातचीत में इसका जवाब देते हुए उन्होंने कहा- मेरी जर्नी अभी तक बहुत अच्छी रही है. इंडस्ट्री में हर कोई मुझे बहुत सम्मान देता है. पर सबसे बड़ी बात ये है कि लोग इज्जत देते हैं, प्यार देते हैं, हमारे गाने भी सुनते हैं, पर मुझे नहीं पता कि लोग मेरी आवाज को हिंदी फिल्मों के गानों में क्यों यूज नहीं कर रहे हैं. 'मेरे मन में ये सवाल आता है. जब भी मैं लोगों के सामने होता हूं, हर कोई मुझे बहुत प्यार देता है. पर क्यों ये लोग मुझे गाने का मौका नहीं देता हैं. पता नहीं लोगों का ये प्यार असली भी है या नहीं. पर जो भी है, इतना जरूर है कि सभी मुझे बहुत सम्मान देते हैं.'

Highlights

1. B'desh a lesson for India, dictatorships don't last long: Mufti
2. Bengaluru's Outer Ring Road service roads in dismal condition
3. Indian visa centres in Bangladesh closed indefinitely amid crisis
4. Buddhadeb Bhattacharjee, former CM of West Bengal, passes away at 80
5. We heard the people: Sitharaman on real estate indexation relief

Reliance Industries cut workforce by 11% in 2023-24, retail segment sees highest number of cuts

NEW DEIHI, (Agency). Reliance Industries Ltd, has reduced its workforce by 11% or by 42,000 people during the financial year 2023-24 compared to the year prior, the Economic Times reported. This indicates cost-efficiency drives, and the reduction is prominent especially in its retail segment, according to the report.

How many employees did Reliance Industries have in total?

The total number of employees in Reliance Industries was 347,000 in 2023-24, but was 389,000 in 2022-23.

The number of new recruits also was cut down by more than a third to 170,000, according to the company's annual report.

Why has the number of employees in Reliance Industries fallen?

"The new lines of businesses (at Reliance) have matured now and have significant support from digital initiatives. Now

they are a stage to better manage the operations with optimum strength. It doesn't mean that the numbers (of headcount) won't increase when new business opportunities emerge and strategy changes. They understand very well how to drive cost management and efficiency," the report quoted an analyst from a leading brokerage who did not wish to be named, as saying.

Reliance's retail division accounted for 60% of employee strength at 207,000 during 2023-24, compared to 245,000 in the year before that. However, Reliance Retail also opened 3,300 new stores in 2023-24, taking the total store count up to 18,040. Jio saw its number of employees reduce to 90,000 in 2023-24, compared to 95,000 the year prior.Despite all this, the employee benefits expense of Reliance rose by 3% in 2023-24 compared to the year before, and it also rose by 33% in 2022-23, compared to 2021-22.

OpenAI sought Intel's investment 7 years ago but this decision changed AI race

NEW DEIHI, (Agency). For US chip giant Intel, the darling of the computer age before it fell on harder times in the AI era, things might have been quite different.

About seven years ago, the company had the chance to buy a stake in OpenAI, then a fledgling non-profit research organization working in a little-known field called generative artificial intelligence, four people with direct knowledge of

those discussions told Reuters.

Over several months in 2017 and 2018, executives at the two companies discussed various options, including Intel buying a 15% stake for $1 billion in cash, three of the people said. They also discussed Intel taking an additional 15% stake in OpenAI if it made hardware for the startup at cost price, two people said.

Intel (INTC.O), opens new tab ultimately decided against a deal, partly because then-CEO Bob Swan did not think generative AI models would make it to market in the near future and thus repay the chipmaker's investment, according to three of the sources, who all requested anonymity to discuss confidential matters.

OpenAI was interested in an investment from Intel because it would have reduced their reliance on Nvidia's chips and allowed the startup to build its own infrastructure, two of the people said. The deal also fell through because Intel's data center unit did not want to make products at cost, the people added.

ट्रैफिक में बाधक बसों के खिलाफ प्रशासन का एक्शन

हंस सहित छह ट्रेवल्र्स के दफ्तर सील, तीन बसें जब्त

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

इंदौर। इंदौर के व्यस्त क्षेत्रों में बसें पार्क कर प्रतिदिन सवारियां बैठाने वाले और ट्रैफिक जाम करने वाले छह ट्रेवल्र्स के दफ्तर प्रशासन ने सील कर दिए। ढक्कनवाला कुंआ मार्ग पर हंस ट्रेवल्र्स की बसें दिनभर सड़क पर खड़ी रहती थी। गुरुवार सुबह सबसे पहले प्रशासन का दल उसके दफ्तर पहुंचा और ताला लगाकर सील लगा दी। संचालकों से अफसरों ने कहा कि बसों का संचालन शहरी सीमा से किया जाए।

शहरी क्षेत्र में बसें नजर आई तो उन्हें भी जब्त किया जाएगा। ट्रैफिक पुलिस को सबसे ज्यादा शिकायतें इस ट्रेवल्र्स को लेकर ही आती थी। जब प्रशासन की टीम मौके पर पहुंची तो वहां बसें नहीं खड़ी थी।

चर्चा है कि प्रशासन के छापे की भनक संचालकों को पहले ही लग गई थी। इसके बाद अफसर छोटी ग्वालटोली स्थित मुलतानी सोना ट्रेवल्र्स के दफ्तर पहुंचे और दफ्तर सील कर दिया। इस ट्रेवल्र्स की बसे भी पटेल प्रतिमा के आसपास खड़ी रहती है और इस कारण यातायात बाधित होता है। इसके अलावा अशोक ट्रेवल्र्स का दफ्तर भी सील कर दिया गया है। झाबुआ टॉवर में तीन ट्रेवल्र्स सील कर दिए गए और तीन बसें भी जब्त की गई।

आपको बता दे कि इंदौर में मुंडला नायता और एमआर-10 पर नए बस स्टेशन बन गए है। छह माह के भीतर इन बस स्टेशनों से बसों का संचालन शुरू करने की तैयारी प्रशासन ने की है। शहर के ज्यादातर निजी ट्रेवल्र्स शाम के समय विजय नगर, रेडिसन चौराहा, खजराना से यात्रियों को बैठाते है। इस कारण ट्रैफिक भी जाम होता है।

14 साल की नाबालिग से दुष्कर्म , परिचित पर केस दर्ज

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

इंदौर। 14 साल की नाबालिग के साथ दुष्कर्म का मामला सामने आया है। रेप करने वाला परिचित है। पुलिस ने मामले में आरोपी पर केस दर्ज किया। परदेशीपुरा पुलिस के मुताबिक इलाके में रहने वाली एक 14 साल की बच्ची अपनी मां के साथ मंगलवार शाम थाने पहुंची थी। उसने अपने परिचित पर रेप और पॉस्को एक्ट की धारा में केस दर्ज कराया है।

पीड़िता ने बताया कि अप्रैल माह में आरोपी के परिवार में शादी थी। वह कार्ड देने इंदौर आया। इस दौरान उसने मोबाइल नंबर ले लिया। दोनों स्नेप चैट और इंस्टाग्राम से मोबाइल पर बात करने लगे। इस दौरान गांव शादी में जाना हुआ। पिता कंपनी में जॉब करते हैं, तो सप्ताह में एक दो बार आना होता है। मां भी काम पर चली जाती है। 29 मई की दोपहर आरोपी घर आया। तब उसे चाय पिलाई। पीने के बाद उसने जबरदस्ती की। चिल्लाई तो मुंह दबा दिया और फिर रेप किया। उसने कहा कि यह बात किसी को बताई तो ठीक नहीं होगा। तुम्हारी बदनामी होगी और अगर बात किसी को पता चली तो माता-पिता को मार डालेगा। इसके बाद वह चुप रही। रात में पीड़िता उस दिन की घटना को याद करते हुए रोने लगी। इस पर उसकी मां ने पूछा तो उसने बताया कि आरोपी ने उसके साथ इस तरह से गलत हरकत की है। इसके बाद मां उसे लेकर थाने पहुंची और केस दर्ज कराया।

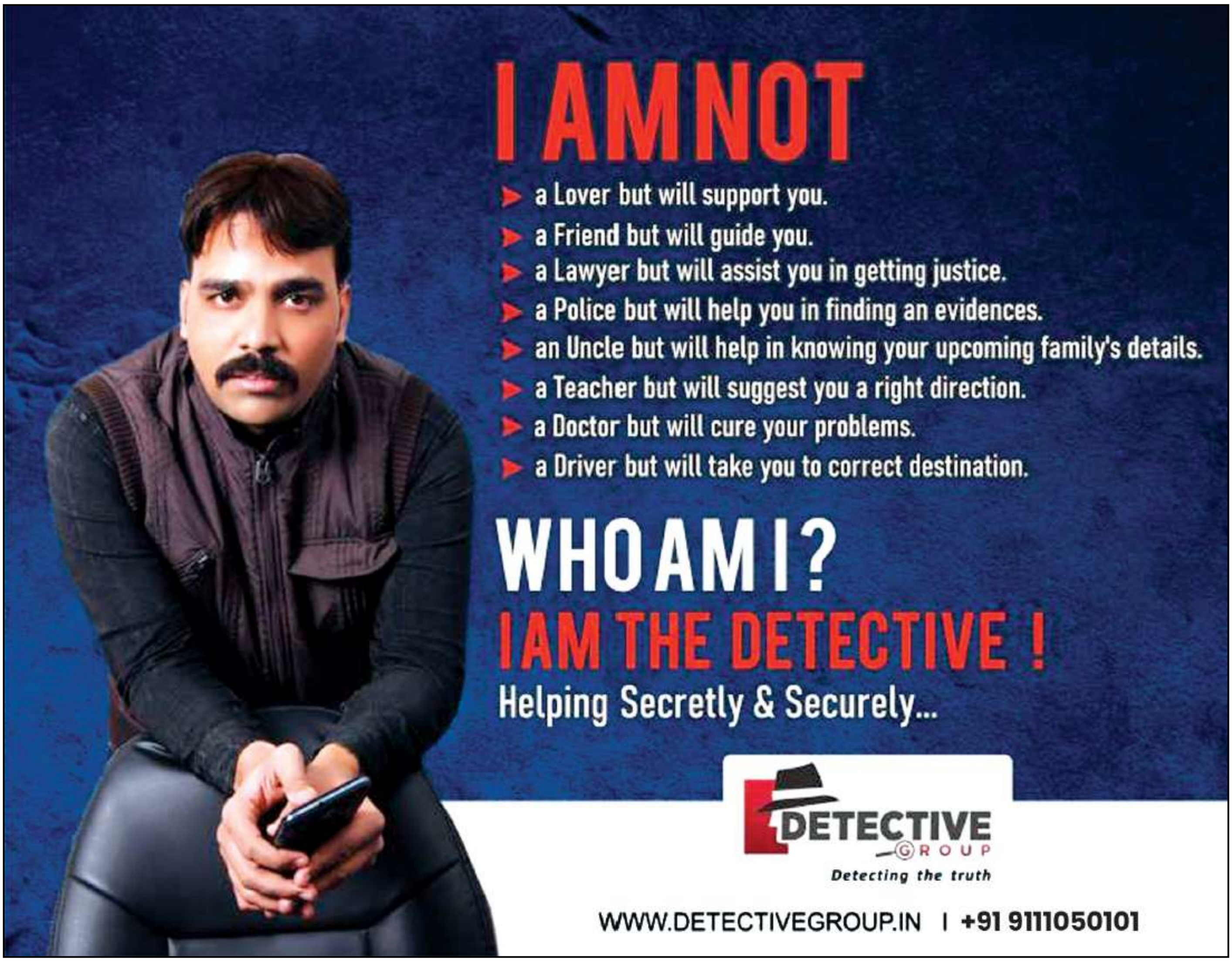

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक - पुष्पेंद्र पुष्प द्वारा पंकज प्रिंटर्स एंड पैकेजिंग एलयूएन-22, सेक्टर एफ, सांवेर रोड, इंडस्ट्रीयल एरिया, इंदौर से मुद्रित एवं इंडस्ट्री हाउस 15 ए.बी. रोड, ओल्ड पलासिया, इंदौर (म.प्र.) से प्रकाशित। ■ आर.एन.आई. नंबर MPBIL/2015/66535
■ डाक पंजीयन : एमपी/आईडीसी/1600/2023-2025 ■ *प्रधान संपादक - पुष्पेन्द्र पुष्प, ■ फोन : 7312433667 ■ *पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार। ■ न्याय क्षेत्र इंदौर रहेगा।
इस समाचार पत्र में प्रकाशित विभिन्न समाचार, सूचनाएं, आलेख एवं विचार लेखकों के अपने है तथा विभिन्न समाचार एजेंसियों एवं स्त्रोतों से प्राप्त किए गए हैं अतः इनसे प्रकाशक, संपादक एवं मुद्रक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है- संपादक